राग भूपाली

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का एक प्रसिद्ध राग है, जो बिलावल थाट के अंतर्गत आता है। यह राग हल्का, सरल और शांतिमय होता है, और विशेष रूप से शांति और संतोष की भावना उत्पन्न करने के लिए जाना जाता है। राग भूपाली का प्रयोग आमतौर पर संध्या के समय किया जाता है।

राग भूपाली की प्रमुख विशेषताएँ:

1. **समय:**
    - **राग भूपाली को शाम के समय (लगभग 6 बजे से 9 बजे के बीच) गाया या बजाया जाता है। यह राग शांतिपूर्ण और ध्यान की स्थिति उत्पन्न करता है।**
2. आरोह (चढ़ाव):
    - स, रे, ग, प, ध, स'
        - (सा, रे, गा, पा, ढा, सा – आरोह)
3. अवरोह (उतराव):
    - स', ध, प, ग, रे, स
        - (सा, रे, गा, पा, ढा, सा – अवरोह)
4. **वादी (मुख्य स्वर):**
    - **राग भूपाली का वादी स्वर (मुख्य स्वर) पा (पंचम) होता है।**
5. **सामवदी (द्वसरा प्रमुख स्वर):**
    - **राग का सामवदी स्वर (द्वसरा प्रमुख स्वर) सा (शड्ज) होता है।**
6. स्वरों की विशेषताएँ:
    - इस राग में कुल पाँच स्वर होते हैं: सा, रे, ग, पा, ध। इसमें नि (निषाद) का प्रयोग नहीं होता, जो इसे सरल और शुद्ध बनाता है।
7. **राग का भाव:**
    - **राग भूपाली का भाव (रसा) मुख्य रूप से शांति, संतोष और भक्ति से जुड़ा होता है। यह राग मानसिक शांति और संतुलन की स्थिति उत्पन्न करता है, और इसे अधिकतर भक्ति गीतों और ध्यान के दौरान प्रयोग किया जाता है।**

ठाठ : बिलावल

जाती : औडव औडव

विशेषता : म नी नहीं आते है

निष्कर्ष:

राग भूपाली एक बहुत ही सरल और आनंददायक राग है, जो शांति और समर्पण का एहसास कराता है। इसकी शांति और मधुरता के कारण यह राग शास्त्रीय संगीत में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

Classification - Internal

अलंकार

*आरोह : सा रे गा प ध सां

अवरोह : सां ध प गा रे सा

*आरोह : सा रे गा, रे गा प, गा प ध, प ध सां

अवरोह : सां ध प ,ध प गा,प गा रे,गा रे सा

आकार

आरोह : सा --, रे --, गा --, प --, ध --

अवरोह : सां -- , ध --, प --, गा --, रे --

*आरोह : सा रे गा प, रे गा प ध, गा प ध सां

अवरोह : सां ध प गा , ध प गा रे , प गा रे सा

आकार

आरोह : सा ----, रे----, गा ----, प ----

अवरोह : सां ---- , ध ---- , प ----, गा ----

*आरोह : सा रे सा रे गा--, रे गा रे गा प --, गा प गा प ध --, प ध प ध सां --,

अवरोह : सां ध सां ध प--, ध प ध प गा --, प गा प गा रे--, गा रे गा रे सा--

आकार

आरोह : सा ------, रे ------, गा ------, प ------, ध ------- ,

अवरोह : सां ------, ध ------, प------,गा ------ , रे ------,

सरगम गीत

साग साग साग पगरेसा ,धरे धरे धरे गरेसा

साग साग साग पगरेसा ,धरे धरे धरे गरेसा

साग साग सरगपधा , धप गरे पगरेसा धरेसा

सां--धप गरे गप गप ध

सां--धप गरे गप गप ध

ध प् गरे पगरेसा धरेंसा

Classification - Internal

छोटा ख्याल (तीन ताल मध्यलय)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
स्थायी स्वर लिपि															
सां	सां	ध	प	ग	रे	सा	रे	ग	ग	ग	रे	ग	प	ध	प
सां	सां	ध	प	ग	रे	सा	रे	ग	ग	ग	रे	ग	प	ध	प
ग	प	ध	सां	रें	सां	ध	प	सा	प	ध	प	ग	रे	सा	सा
सां	सां	ध	प	ग	रे	सा	रे	ग	ग	ग	रे	ग	प	ध	प
अन्तरा स्वरलिपि															
ग	ग	ग	रे	ग	प	ध	प	सां	सां	सां	सां	ध	ध	सां	सां
ग	ग	ग	रे	ग	प	ध	प	सां	सां	सां	सां	ध	ध	सां	सां
ध	ध	ध	ध	रें	रें	सां	सां	सां	रें	ग	रें	सां	सां	ध	प
सां	सां	ग	रें	सां	सां	ध	प	सां	प	ध	प	ग	रे	सा	सा
स्थायी शब्द															
ला	s	ज	ब	चा	s	ओ	s	कृ	s	ष्ण	मु	रा	s	री	s
ला	s	ज	ब	चा	s	ओ	s	कृ	s	ष्ण	मु	रा	s	री	s
तु	म	बि	न	औ	s	र	ना	दू	s	जा	s	को	s	ई	s
ला	s	ज	ब	चा	s	ओ	s	कृ	s	ष्ण	मु	रा	s	री	s
अन्तरा शब्द															
बि	s	च	भ	व	र	में	s	आ	s	न	फ	सी	s	हु	s
बि	s	च	भ	व	र	में	s	आ	s	न	फ	सी	s	हु	s
नै	s	या	s	मो	s	री	s	ड	ग	म	ग	डो	s	ले	s
पा	s	र	ल	गा	s	ओ	s	श	र	ण	ति	हा	s	रि	s
ला	s	ज	ब	चा	s	ओ	s	कृ	s	ष्ण	मु	रा	s	री	s
ला	s	ज	ब	चा	s	ओ	s	कृ	s	ष्ण	मु	रा	s	री	s
स्थायी तराना															
तूं	s	ता	ना	ना	ना	ना	ना	दे	रें	ना	s	दे	रें	ना	s
तूं	s	ता	ना	ना	ना	ना	ना	दे	रें	ना	s	दे	रें	ना	s
दे	रें	न	दे	रें	न	दे	s	दीर	दीर	ता	ना	दे	रें	न	s
तूं	s	ता	ना	ना	ना	ना	ना	दे	रें	ना	s	दे	रें	ना	s
अन्तरा तराना															
धा	तीर	किट	तक	तूं	तीर	किट	तक	तीर	किट	तीर	किट	ता	ना	ना	ना
धा	तीर	किट	तक	तूं	तीर	किट	तक	तीर	किट	तीर	किट	ता	ना	ना	ना
ता	द	रें	दा	दीर	दीर	ता	ना	त	दा	s	नी	ता	ना	तूं	द्रे
ता	s	रें	दा	नी	नी	ता	s	रें	दा	s	नी	ता	रें	द	s
तूं	s	ता	ना	ना	ना	ना	ना	दे	रें	ना	s	दे	रें	ना	s

शुद्ध संगीत
घराने का संगीत

Classification - Internal

तान

वोकल

सारे	गप	धसां	पध	सांसां	धप	गरे	साऽ	सारे	गप	धसां	पध	सांसां	धप	गरे	साऽ
सारे	गप	धसां	रेंग	रेंसां	धप	गरे	साऽ	सारे	गप	धसां	रेंग	रेंसां	धप	गरे	साऽ
पध	पध	सांऽ	धप	गप	गप	गरे	साऽ	पध	पध	सांऽ	धप	गप	गप	गरे	साऽ
पध	सांप	धसां	पध	सांसां	धप	गरे	साऽ	पध	सांप	धसां	पध	सांसां	धप	गरे	साऽ
सांसां	धप	गरे	साऽ	पध	सांप	धसां	ऽ	सांसां	धप	गरे	साऽ	पध	सांप	धसां	ऽ
सारे	रेरे	सारे	रेरे	गग	पप	धध	सांसां	सारे	रेरे	सारे	रेरे	गग	पप	धध	सांसां

हारमोनियम

स्थायी शब्द तान

ला	ऽ	ज	ब	चा	ऽ	ओ	ऽ	सारे	गप	धसां	पध	सांसां	धप	गरे	साऽ
ला	ऽ	ज	ब	चा	ऽ	ओ	ऽ	सारे	गप	धसां	रेंग	रेंसां	धप	गरे	साऽ
ला	ऽ	ज	ब	चा	ऽ	ओ	ऽ	पध	पध	सांऽ	धप	गप	गप	गरे	साऽ
ला	ऽ	ज	ब	चा	ऽ	ओ	ऽ	पध	सांप	धसां	पध	सांसां	धप	गरे	साऽ

अन्तरा शब्द तान

बि	ऽ	च	भ	व	र	में	ऽ	सांसां	धप	गरे	साऽ	पध	सांप	धसां	ऽ
बि	ऽ	च	भ	व	र	में	ऽ	सारे	रेरे	सारे	रेरे	गग	पप	धध	सांसां

तिहाई

सारे	गऽ	रेग	पऽ	गप	धऽ	पध	सांऽ	धसां	रेंऽ	सांरें	गग	रेसा	धप	गरे	साऽ
गग	रेसा	रेरे	सांध	सांसा	धप	धध	पग	पप	गरे	गग	रेसा	सारे	गप	धसां	-
												सारे	गप	धसां	-
												सारे	गप	धसां	-

यह रचना संत तुलसी दास जी द्वारा रचित है , यह किराना घराने के संकलन से ली गयी है , यह एक शास्त्रीय गायन पर आधारित हे इसे गाने के लिए आपको गर्म पानी से सेवन करना होगा तब इसके सुरो में निखार आएगा, यह तीन ताल पर लयबद्ध है|

शुद्ध संगीत
घराने का संगीत
शुद्ध संगीत
घराने का संगीत
शुद्ध संगीत
घराने का संगीत

Classification - Internal